महत्वपूर्ण एवं खास

दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम आज होगी जारी

रायपुर (आरएनएस)। दसवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम स्कूल शिक्षामंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम द्वारा 19 मई को सुबह 11 बजे घोषित किये जाएंगे। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2020-21 में कोविड 19 महामारी के कारण अधिकांश समय स्कूल बंद रहे। ऑनलाइन परीक्षा के आधार पर परीक्षा का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम सुबह 11 बजे 10वीं बोर्ड के रिजल्ट जारी करेंगे। बता दें कि बिना परीक्षा दिए असाइंमेंट के बेस पर छात्रों को पास किए जाएंगे। उल्लेखीय है कि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षा को रद्द कर दिया है। वहीं अब छात्रों को असाइंमेंट के आधार पर पास करेगी। रिजल्ट को लेकर छात्र इंतजार कर रहे थे। प्रदेश में 10 वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 15 अप्रैल से होनी थीं, लेकिन कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए इन्हें स्थगित करने का फैसला लिया गया। वहीं संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए शिक्षा मंडल ने परीक्षा को रद्द कर दिया। ?वहीं अब असाइंमेंट के आधार पर छात्रों का पास किए जाएंगे।

ब्लैक फंगस से प्रदेश में दूसरी मौत, एम्स रायपुर में कोरिया निवासी महिला की हुई मृत्यु

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण के बीच जहां ब्लैक फंगस के मरीज लगातार बढ़ते जा रहे है, वहीं इस बीमारी से प्रदेश में दूसरी मौत भी हुई है। एम्स रायपुर में भर्ती कोरिया निवासी एक महिला की ब्लैक फंगस से मौत हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़ सिविल लाइन की रहने वाली करुणा वर्मा को एम्स रायपुर में भर्ती किया गया था। महिला कोरोना पॉजिटिव होने के बाद ठीक हो गई थी। नोडल अधिकारी डॉ अजय बेहरा ने बताया का कोरिया जिले की निवासी महिला पांच दिन पहले भर्ती हुई थी, बढ़ते इनफेक्शन को देखते हुए मरीज का ऑपरेशन भी किया गया था, लेकिन कॉर्डियक अरेस्ट होने की वजह से मौत हो गई है। वर्तमान में एम्स रायपुर में ब्लैग फंगस से पीड़ित 61 मरीज भर्ती है, सभी का इलाज जारी है।

विशाखापट्टनम-रायपुर के मध्य फेरे लगाने वाली स्पेशल एक्सप्रेस 24 मई से 01 जून तक रद्द रहेगी

रायपुर (आरएनएस)। उड़ीसा राज्य में कोविड-19 के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर विशाखापट्टनम और रायपुर के मध्य फेरे लगाने वाली स्पेशल एक्सप्रेस का परिचालन 24 मई से 01 जून तक रद्द किया गया है। रेल मंडल के अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोविड-19 के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर उड़ीसा राज्य में की जा रही लॉकडाउन के मद्देनजर विशाखापट्टनम एवं रायपुर के मध्य चलने वाली स्पेशल ट्रेन 08528 विशाखापट्टनम-रायपुर 24 से 31 मई तक एवं ट्रेन 08527 रायपुर-विशाखापट्टनम 24 मई से 01 जून तक रद्द रहेगी।

नक्सलियों के आईईडी विस्फोट से 1 जवान शहीद 1 घायल

बीजापुर (आरएनएस)। जिले के कुटरू थाना क्षेत्र अंर्तगत अम्बेलि में नक्सलियों के द्वारा लगाये गये आईईडी की चपेट में आने से हुए विस्फोट से प्रधान आरक्षक थलेन्द्र कुमार नायक शहीद हो गये हैं। वहीं आरक्षक अमर ठाकुर घायल हो गये हैं। इसकी पुष्टि कुटरू एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर ने किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह जिला पुलिस के जवान सर्चिंग में कुटरू क्षेत्र के अंबेली गांव की ओर निकले थे, गांव के अंतिम घर के पास पुल से पहले ही नक्सलियों ने आईईडी लगा कर रखा था, जवान जब वहां पहुचे तब जोरदार विस्फोट हो गया जिसमें प्रधान आरक्षक थलेंद्र कुमार नायक शहीद हो गए। जबकि एक अन्य आरक्षक कमल ठाकुर घायल है।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना में धान के अलावा मक्का कोदो कुटकी एवं गन्ना फसल सहित अन्य फसलें शामिल : भूपेश बघेल

» छत्तीसगढ़ में वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए वाणिज्यक वृक्षारोपण को दी जाएगी प्राथमिकता

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आज यहां उनके निवास कार्यालय में मंत्री परिषद की वर्चुवल बैठक आयोजित की गई। बैठक में निम्नानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

लद्दाख इंडोचाइना सीमा पर हुई झड़प में 16 जून 2020 को शहीद सिपाही गणेश राम जी (16 बिहार रेजीमेंट) की बहन कुमारी गंगा कुंजाम को जिला शिक्षा अधिकारी उत्तर बस्तर कांकेर के अंतर्गत सहायक ग्रेड-3 तृतीय श्रेणी के पद पर विशेष प्रकरण मानते हुए अनुकंपा नियक्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य में कोविड -19 संक्रमण के लिए आवश्यक सामग्रियां, जो राज्य के लिए आवश्यक हैं और जिनका निर्माण राज्य में उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से किया जा रहा है। ऐसे उत्पाद एवं विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए औद्योगिक नीति 2019-24 में संशोधन/नवीन प्रावधान करने का निर्णय लिया गया।

छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं प्रबंधन नियम 2015 में संशोधन का अनुमोदन किया गया। जिसके अनुसार गत 10 वर्षों अथवा उससे अधिक अवधि से उद्योग निरंतर संचालित होने के स्थान पर गत 10 वर्षों अथवा उससे अधिक अवधि से उद्योग द्वारा उत्पादन प्रारंभ किया हो एवं दो हेक्टेयर अथवा इससे कम भूमि आबंटन के स्थान पर 4 हेक्टेयर या 10 एकड़ भूमि आबंटित हो, को प्रतिस्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य में वृक्षारोपण प्रोत्साहित करने हेतु मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत निजी क्षेत्र, कृषकों, शासकीय विभागों एवं ग्राम पंचायतों की भूमि पर इमारती, गैर इमारती प्रजातियों के वाणिज्यिक वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस योजना के तहत खरीफ वर्ष 2020-21 में धान की फसल लेने वाले किसान यदि इसके बदले अपने खेतों में वृक्षारोपण करेंगे तो उन्हें आगामी 3 वर्षों तक प्रतिवर्ष 10 हजार रूपए प्रति एकड़ के मान से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

इस योजना के तहत संयुक्त वन प्रबंधन समितियों द्वारा यदि राजस्व भूमि पर वृक्षारोपण किया जाता है, तो समिति को एक वर्ष बाद प्रति एकड़ के मान से 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वृक्षों को काटने और बेचने का अधिकार संबंधित समिति का होगा।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत खरीफ 2020 में धान फसल के पंजीकृत कृषकों एवं धान बीज उत्पादक कृषकों को आदान सहायता के रूप में चार किश्तों में दिए जाने का निर्णय लिया गया।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना में खरीफ 2021 की समस्त फसलों को जैसे धान, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, अरहर, मूंग, उड़द, कुल्थी, सोयाबीन, मूंगफल्ली, तिल, रामतिल, कपास, सनई, जूट के साथ साथ कृषि वानिकी तथा गन्ना फसल को शामिल करने का निर्णय लिया गया। इस योजना में समस्त श्रेणी के भूमि स्वामी कृषक एवं वन पट्टाधारी कृषक पात्र होंगे। खरीफ 2021 से योजना के अंतर्गत कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करने के लिए भूमि स्वामी कृषक को प्रथम 2 वर्ष के लिए 9000 रूपए प्रति एकड़ की दर से 4 किश्तों में आदान सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

कोरोना के लक्षण वाले लोगों को निःशुल्क दवा किट, अब तक 14.83 लाख लोगों को दी गई दवा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण और रोकथाम के लिए 14 लाख 82 हजार 529 संदिग्ध मरीजों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दवाईयों की किट वितरित की गई है। विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण के लक्षण वाले व्यक्तियों के त्वरित इलाज और उन्हें गंभीर स्थिति में पहुंचने से बचाने के लिए मितानिनों एवं सर्विलेंस टीमों द्वारा दवाईयों की किट निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। इस किट में आइवरमेक्टिन, डॉक्सीसाइक्लिन, पैरासिटामॉल, विटामिन-सी और जिंक की टैबलेट शामिल हैं। कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों को दवा किट उपलब्ध कराने के अच्छे परिणाम आए हैं। इससे पूरे प्रदेश में संक्रमण की रफ्तार को रोकने में मदद मिली है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश में अब तक (17 मई तक) कोरोना के लक्षण वाले छह लाख 25 हजार 256 लोगों को दवा किट उपलब्ध कराई गई है। जांच केंद्रों और अस्पतालों में कोरोना जांच के लिए पहुंच रहे इसके लक्षण वाले छह लाख 21 हजार 809 लोगों को भी दवा किट मुहैया कराया गया है। मितानिनों और सर्विलेंस टीमों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों व कन्टेनमेंट जोनों में एक्टिव सर्विलेंस के दौरान मिले दो लाख 35 हजार 464 व्यक्तियों को भी कोरोना के इलाज और बचाव के लिए दवाईयां दी गई हैं।

छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों में झोला छाप डॉक्टर बनाने की शुरुआत

» मुख्यमंत्री से इस योजना को निरस्त करने की मांग

» चिकित्सा सँवर्ग, कर्मचारी और जनसंगठनों से विरोध करने का आव्हान

रायपुर (आरएनएस)। स्वास्थ्य चेतना विकास समिति छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में एक वर्षीय इमरजेंसी केयर टेक्नीशियन कोर्स शुरू करने को लेकर 12 मई 21 को प्रसारित किये गये विज्ञापन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये इसे प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों के माध्यम से झोला छाप डॉक्टर तैयार करने का घटिया प्रयास बताया है और मेडिकल प्रोफेशन और जन सरोकार से जुड़े सभी वर्ग के लोगो से इसका जमकर विरोध करने का आव्हान किया है,क्योकि यह स्किल डेवलपमेंट के नाम पर बेरोजगारों के साथ मजाक और आम जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने ट्यूटकर मुख्यमंत्री से तुरन्त हस्तक्षेप कर जनहित में इस योजना को तुरन्त निरस्त करने की मांग की है।

जारी विज्ञप्ति में स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त पूर्व कर्मचारी नेता और वर्तमान में विभिन्न जनहितैषी संगठनों से जुड़े वीरेन्द्र नामदेव ने आगे बताया है कि पहले से ही पैरामेडिकल कोर्स के नाम पर रायपुर सहित कई जिलों में टेक्नीशियन एवं अन्य मेडिकल कोर्स कई वर्षों से संचालित है और वहाँ से ट्रेंड होकर निकले लोग बेरोजगार बैठे हैं अथवा कुछ गिनती के लोग 1 वर्ष की संविदा सेवा में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में काम करते हुए अपने नियमितीकरण के लिये संघर्षरत है, ऐसे में अब प्रशिक्षित खाली बैठे लोगो को कोरोना में काम करने के नाम 3 महीने की संविदा नियुक्ति के नई योजना का ऑफर देकर उनकी मजबूरी का मजाक बनाने जा रहे हैं। प्रदेश में जब हजारों टेक्नीशियन प्रशिक्षित लोग खाली बैठे हैं तो फिर इस तरह के नए नाम से प्रशिक्षण योजना का क्या औचित्य है।

जिसे संचालक, चिकित्सा शिक्षा द्वारा स्किल डेवलपमेंट के लोकलुभावन नाम से सम्बोधन देते नही थक रहे हैं। इससे यहीं होगा अधकचरे ज्ञान के बाद लोग खाली बैठने के बजाय झोला छाप डॉक्टर बनकर जीवन यापन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसका अंजाम किसी के लिये अच्छा नही होगा। इसलिये इस गोरखधंधा पर रोक लगाना बहुत जरूरी है।

गृह मंत्री ने अपने प्रभार जिले बिलासपुर और गरियाबंद की समीक्षा की

» कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के लिए सतर्क रहने और सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने दिए निर्देश

रायपुर (आरएनएस)। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज अपने रायपुर निवास कार्यालय से प्रभार जिले बिलासपुर और गरियाबंद की वर्चुअल समीक्षा की। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे जुड़ कर कोरोना महामारी से निपटने स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। गृह मंत्री ने कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की संभावना को देखते हुए सतर्क रहने और सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय और अनुभाग मुख्यालय के साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर भी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने मितानिनों को दवाई किट के साथ पल्स ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराने का सुझाव दिया ताकि लोगों में ऑक्सीजन स्तर की जांच नियमित रूप से होती रहे।

गृह मंत्री ने संक्रमण की अत्यधिक संभावना वाले क्षेत्र को चिन्हित करने, आवश्यक दवाइयों, इंजेक्शन तथा एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था, डॉक्टर्स, विशेषज्ञ तथा चिकित्सकीय स्टॉफ़ को प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने शिशु रोग विशेषज्ञों से परामर्श कर रणनीति तैयार करने तथा निजी अस्पतालों और मेडिकल दुकानों की सतत निगरानी करने और उनके द्वारा मरीज़ों से इलाज के लिए ज्यादा राशि वसूलने और दवाईयों की कालाबाजारी करने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

गृह मंत्री ने पोस्ट कोविड प्रभवितों के इलाज तथा काउंसिल के लिए पोस्ट कोविड सेल बनाने और वहां दूरभाष की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने कोरोना से मृत व्यक्ति के आश्रितों को यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने को भी कहा।

गृह मंत्री ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए कोविड-19 प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन कराने और ग्राम पंचायत स्तर पर मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीनेशन के साथ ही सकारात्मक सोच के लिए जन जागरूकता के भी निर्देश दिए। वर्चुल बैठक में दोनों जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सिम ब्लॉक होने का झांसा देकर 81 हजार की ठगी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। सिम ब्लाक होने का झांसा देकर अपडेट करने के बहाने ऑनलाईन 81 हजार रुपये की ठगी कर लेने की रिपोर्ट आजाद चौक थाने में दर्ज करायी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार कंकालीपारा आटा चक्की गली आजाद चौक निवासी तिलोत्मा सोनी 58 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि 08 मई को मोबाईल फोन क्रमांक 89277-09536 एवं 91347-90187 धारक ने प्रार्थिया का कॉल करके सिम ब्लाक होने की बात कही तथा अपडेट करने के बहाने एनिडेस्क एप डाउन लोड कर 10 रुपये का रिचार्ज करने कहा जिसके बाद महिला के एसबीआई बैंक एवं सैंट्रल बैंक के खाते से करीब 81000 रुपये निकलने का मैसेज मोबाईल पर आ गया। घटना की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात मोबाईल फोन धारक के खिलाफ धारा 420 के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

महासमुंद में भ्रष्टाचार उजागर करने वाले अधिकारी की सुरक्षा मामले की जांच को लेकर राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन

» भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा रायपुर शहर जिला अध्यक्ष सीमा संतोष साहू के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया

रायपुर (आरएनएस)। पिछले ढाई वर्ष के कांग्रेस के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के रोज नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर भी आवाज उठाने पर उत्पीड़न किया जा रहा है। नया मामला प्रदेश के महासमुंद का है। जहां महिला एवं बाल विकास में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के लिए उपहार सामग्री खरीद और वही मई माह के लिए वितरित ' रेडी टू ईट ' सामग्री खरीदी में अनियमितता को लेकर महिला बाल विकास अधिकारी सुधाकर बोधले को धरना और अनशन पर बैठना पड़ा है। केवल इन दो मामलों में ही 30 लाख से अधिक के भ्रष्टाचार का मामला प्रकाश में आया है। ऐसे में अगर पूरे ढाई वर्ष में प्रदेश के सभी जिलों में खरीदी की जांच की जाए तो करोडों के घोटाले की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। यह अति गंभीर स्थिति है।

दुखद यह है कि भ्रष्टाचार की शिकायत पर ध्यान देने के बदले कांग्रेस सरकार उस अधिकारी को ही प्रताड़ित कर रही है। घर पर अनशन कर रहे अधिकारी को पुलिस द्वारा जबरिया उठाकर ले जाया गया, फिर गिरफ्तार भी कर लिया गया है। इससे संबंधित जांच पहले ही हो चुकी थी लेकिन अब फिर से विभागीय जांच का नाटक किया जा रहा है। मामले में यहां स्पष्ट दिख रहा है कि अधिकारी का मुंह बंद कर शासन अपने ही एक मंत्री को बचाने की कोशिश कर रही है बोदले के खिलाफ बदले की कार्यवाही की भी आशंका है। महासमुंद में भ्रष्टाचार उजागर करने वाले अधिकारी की सुरक्षा मामले की जांच को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा रायपुर द्वारा शहर जिला अध्यक्ष सीमा संतोष साहू के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। और महासमुंद मामले की निष्पक्ष जांच हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीश से कराने की मांग की गई। उक्त अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री ओंकार बैस, रमेश ठाकुर , जिला मंत्री अकबर अली ,महिला मोर्चा महामंत्री वंदना मुखर्जी, स्वप्निल मिश्रा, उपाध्यक्ष कामिनी देवागन, मिनी पांडे , सुशीला धीवर, सोशल मीडिया प्रभारी मिली बैनर्जी उपस्थित थी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनमूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं मार्गदर्शन बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, पीड़ितक्ष, पिछड़ाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

आशा और विश्वास की नई उमंग, 92 साल की प्यारी बाई ने जीती कोरोना से जंग

» कोविड संबंधी गाइडलाइन का किया अक्षरशः पालन

रायपुर (आरएनएस)। कभी-कभी दवा से ज्यादा इंसान का आत्मविश्वास और जीने की ललक मुश्किल घड़ी में इंसान का उबार दिया करती है। 92 साल की प्यारी बाई जैन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वह भले ही 92 साल की है, लेकिन उनका हौसला और विश्वास समय के गुजरते पहिये के साथ मजबूत इरादों वाले भी हैं। कोरोना को लेकर खौफ पालने वाले और कोरोना होने पर जिंदगी जीने का हौसला, विश्वास खो देने वाले असंख्य लोगों के लिए 92 साल की प्यारी बाई जैन आशा और विश्वास की एक नई उमंग है, जो कोरोना होने पर भी जरा भी न घबराई। उसने लक्षण आने पर कोरोना टेस्ट कराया और पाजिटिव आने पर कोविड गाइडलाइन का अक्षरशः पालन करते हुए कोरोना से जंग जीत ली।

धमतरी जिला में रहने वाली श्रीमती प्यारी बाई जैन ने होम आइसोलेशन में परिवार वालों से पृथक रहकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई जीती। उन्होंने बताया कि एक मई को सर्दी-खांसी, बुखार जैसा लक्षण आने के बाद उसने कोविड टेस्ट कराया तो रिपोर्ट पॉजीटिव निकली। श्रीमती जैन ने बताया कि कुछ लोग कोरोना का जांच कराने और रिपोर्ट पॉजीटिव आने पर अनावश्यक तनाव लेते हैं। उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद वह बिल्कुल भी नहीं घबराई और किसी प्रकार का तनाव भी नहीं लिया। लक्षण दिखने के तुरंत बाद से ही खुद को होम आइसोलेट कर लिया, जिसकी वजह से घर के अन्य सदस्यों में कोरोना का संक्रमण नहीं फैल पाया। उसने बताया कि शासन द्वारा कोविड संबंधी जो दिशा-निर्देश दिए जा रहे थे, उसका धैर्यपूर्वक पालन करते हुए होम आइसोलेशन में पृथक् से रहीं। लगभग 17 दिनों तक होम आइसोलेशन के दौरान समय पर भोजन, योगा सहित शारीरिक व्यायाम भी करती रही। 17 मई को दोबारा टेस्ट कराया, तो रिपोर्ट निगेटिव आई। अब प्यारी बाई जैन कोरोना से जंग जीत चुकी है। वह पहले की तरह सामान्य है और समय पर भोजन, योगा, व्यायाम भी करती रहती है। वह कहती है कि कोराना को हल्के में न लिया जाए, इससे बचने के लिए जो भी जरूरी उपाय है उसे अपनाया जाए। यदि संक्रमण हो भी जाए तो अपनी आशा, विश्वास कायम रखे और धैर्य, साहस का परिचय देते हुए शासन की गाइडलाइन का पालन करें। लोगों को कोरोना से बचने का संदेश देने वाली श्रीमती प्यारीबाई जैन अब अनेक लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी है। जहां चाह, वहां राह...के सिद्धांतों पर चलकर उन्होंने कोरोना के खिलाफ लड़ाई जीतकर उन्होंने साबित किया है कि अगर हौसला बुलंद हो और मंजिल पाने की जिद शिद्दत भरी हो तो राहें खुद-ब-खुद आसान हो जाती हैं।